GOVT. OF INDIA RNI NO.: UPBIL/2015/62096

UGC Approved Care Listed Journal

ISSN 2229-3620

SHODH SANCHAR Bulletin

An International
Multidisciplinary
Quarterly Bilingual
Peer Reviewed
Refereed
Research Journal

Vol. 10

Issue 40

October to December 2020

Editor in Chief
Dr. Vinay Kumar Sharma
D. Litt. - Gold Medalist

sancHar
Educational & Research Foundation

Adarsh Arts & Commerce College Desaiganj (Wadsa)

PRINCIPAL
Adarsh Arts & Commerce College,
Desaiganj (Wadsa) Dist.- Gadchiroli

15.	SPORTS WRITING AND THE ANALYTICAL PARADIGMS OF HUMANITIES : A REVIEW	Micky Barua Dr. Pratima Das	74
16.	ARTIFICIAL INTELLIGENCE IN BANKING SECTOR	CMA Dr. Hema Prakash Gwalani Dr. Yogesh Gaikwad	80
17.	आदिवासी महिला सशक्तिकरण में आदिवासी विकास विभाग का योगदान	निलेश दे. हलामी डॉ. राजविलास कारमोरे	84
18.	महिला सशक्तिकरण की दशा व दिशा	डॉ. के.एल. टाण्डेकर डॉ. (श्रीमती) आशा चौधरी डॉ. (श्रीमती) ई.व्ही.रेवती	89

Adarsh Arts & Commerce College Desaiganj

PRINCIPAL
Adarsh Arts & Commerce College,
Desaiganj (Wadsa) Dist.- Gadchiroli

ISSN - 2229-3620
APPROVED UGC CARE
PPS

SHODH SANCHAR BULLETIN
Vol. 10, Issue 40, October-December, 2020
Page Nos. 84-88

AN INTERNATIONAL BILINGUAL PEER REVIEWED REFEREED RESEARCH JOURNAL

आदिवासी महिला सशक्तिकरण में आदिवासी विकासविभाग का योगदान

निलेश दे. हलामी*
डॉ. राजविलास कारमोरे**

शोध सारांश

विकास प्रक्रिया में पूरी तरह से भागलेने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास होने वाले महिलाओं को सशक्त बनाने में शिक्षा एक महत्वपूर्ण उपकरण है। इससे उच्च उत्पादकता, दक्षता और बेहतर सामाजिक–आर्थिक विकास होता है। सहभागितापूर्ण लोकतंत्र और आर्थिक स्वतंत्रता सशक्तीकरण के प्रमुख तत्व हैं। शिक्षा के माध्यम से उपेक्षित आदिवासी महिलाओं को सशक्त बनाना राष्ट्रीय विकास में एक लंबा रास्ता तय करेगा। आदिवासी महिलाओं की शैक्षिक स्थिति पुरुषों की तुलना में बहुत कम है। महिलाओं की शिक्षा का विचारराष्ट्र के विकास में सबसे शक्तिशाली हथियारों में से एक है।वर्तमानस्थिति में आदिवासी महिलाओं को सशक्त बनाना चुनौतीपूर्ण है। आदिवासी महिलाओं के सशक्तीकरण के बिनादेश की सार्थक समावेशी वृद्धि संभव नही है। आदिवासी जंगलों में रहने वाले एक पिछड़े समुदाय हैं, इसलिए केंद्र और राज्य सरकारों ने उनके समग्र सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक विकास के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। वर्तमान शोध पत्र में, आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा कार्यान्वित की जारही विभिन्न योजनाओं के साथ–साथ उनकी प्रकृति का अध्ययन किया गया। साथ ही, ग्रामीण भारत में आदिवासी महिलाओं की साक्षरता के अध्ययन से पता चलता है कि भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा आदिवासी महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए लागू की जारही शैक्षिक योजनाओं के कारण ग्रामीण भारत में ग्रामीण महिलाओं की साक्षरतादर बढ़ रही है।

Keywords : आदिवासी महिला आत्मविश्वास सशक्तीकरण

प्रस्तावना–

मौजूदा स्थिति में आदिवासी महिलाओं का सशक्तीकरण एक चुनौतीपूर्ण मुद्दा है। आदिवासी महिलाओं के सशक्तीकरण के बिनादेश की सार्थक समावेशी वृद्धि संभव नहीं है। आदिवासी महिलाओं के सशक्तीकरण को आय और प्रतिव्यक्ति आय, शिक्षा और व्यवसाय के अवसरों तक पहुंच और आर्थिक निर्णय लेने और राजनीतिक अवसरों में उनकी भागीदारी के लिए आर्थिक संसाधनों पर उनकी निर्भरता से मापा जा सकता है।

आदिवासी महिलाओंको अपने आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए शिक्षा तक पहुँच की आवश्यकता है। आदिवासी महिलाओं के समावेशीविकास के लिए शिक्षा एक संभावित साधन है। इसका आदिवासी विकास के विभिन्न पहलुओं पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है। शिक्षा के माध्यम से उपेक्षित आदिवासी महिलाओंको सशक्त बनाना राष्ट्रीय विकास में एक लंबा रास्ता तय करेगा। आदिवासी महिलाओं की शैक्षिक स्थिति अन्य समुदायों की तुलना में बहुत कम है। राष्ट्रीय विकास के लिए शिक्षा एक सशक्त साधन है।इसमें आदिवासी महिलाओं की स्थिति के उत्थान की शक्ति है।शिक्षा उपेक्षित आदिवासी महिलाओं को सशक्त बनाने का एक उपकरण है।

समाज के कमजोर वर्गोंमें, आदिवासी वर्ग सबसे कमजोर है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 46 के तहत समाज के कमजोर वर्गों और विशेष रूप से अनुसूचित जातियों और जनजातियों के शैक्षिक, सामाजिक और आर्थिक हितों के लिए सरकार उन्हें विशेष ध्यान देने के लिए और सामाजिक अन्याय और सभी प्रकार के शोषण से बचाने के लिए विभिन्न स्तरों पर निरंतर प्रयास कर रही है।

आदिवासी जंगल में रहने वाला पूरीतरह से पिछड़ा समुदाय है उनके समग्र विकास के बारे में लाने के लिए, सरकार ने उनके सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक विकास के लिए कई योजनाएँ लागू की हैं।

महिला सशक्तिकरण :–

महिला सशक्तीकरण की परिभाषा संसाधनों पर नियंत्रण या अधिकार हासिल करने की क्षमता (शारीरिक और वित्तीय दोनों) पर जोर देती है और ऐसे निर्णय लेने की है जो महिलाओं की जीवन गुणवत्ता सुनिश्चि तक रती है। आम तौरपर सशक्तिकरण को परिभाषित करने के लिए इस्तेमाल की जानेवाली

*सहाय्यक प्राध्यापक – आदर्श महाविद्यालय, देसाईगंज जि.गडचिरोली
**प्राचार्य – विद्याविकास महाविद्यालय, समुद्रपुर जि.वर्धा

Adarsh Arts & Commerce College Desaiganj
PRINCIPAL
Adarsh Arts & Commerce College,
Desaiganj (Wadsa) Dist.- Gadchiroli